ज़रा सिर तो खुजलाइए

गुत्थी: किसी कागज़ को फाड़िए, ज़रा तेज़ी से – आवाज़ आती है न फटने की! क्यों? और अगर कागज़ को गीला करके फाड़ो तो ये आवाज़ गुम हो जाती है। ऐसा क्यों?

इस उलझन ने तो हमें भी सिर खुजलाने को मजबूर कर दिया है। अगर आपको कुछ मालूम हो इस बारे में तो लिख भेजिए इस पते पर -

ज़रा सिर तो खुजलाइए,
द्वारा संदर्भ,
एकलव्य,
कोठी बाज़ार,
होशंगाबाद – 461 001.

चकमक में प्रकाशित
बच्चों द्वारा लिखी
कहानियों का संकलन

बच्चों की मौलिक
अभिव्यक्ति

मूल्य : 12.00 रुपए
(डाकखर्च : 2.00 रुपए)

एकलव्य का प्रकाशन

एकलव्य, ई-1/25, अरेरा कॉलोनी,
भोपाल, 462 016.